परमेश्वर का नाम क्या है? - १

'यहोवा' बनाम 'मैं हूँ'

आज मसीही समाज में परमेश्वर के नाम को लेकर कई मत-मतान्तर प्रचलित हैं। आइये आज विचार करते हैं कि आखिर हमारे युगानयुग जीवते परमेश्वर का नाम क्या है? निर्गमन ३:१३-१५ में दो नाम जलती हुई झाड़ी में से मूसा पर प्रकाशित किये गये जो इस प्रकार हैं - (१) मैं हूँ (२) यहोवा। किन्तु इससे पूर्व उत्पत्ति २२:१४ में इब्राहीम एक स्थान का नाम यहोवा यिरे रखता है अर्थात यहोवा के पहाड़ पर उपाय किया जायेगा। इससे स्पष्ट होता है कि इब्राहीम यहोवा नाम से परिचित था। सम्पूर्ण अध्ययन बाइबल में लिखा है कि पुराने-नियम में परमेश्वर का व्यक्तिगत नाम ५,७०० बार प्रकट हुआ है। किन्तु ये उचित प्रतीत नहीं होता। उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर प्रमाणित है कि १५६० की जेनेवा बाइबल में Jehovah शब्द ६ बार, १६११ के किंग जेम्स वर्जन में ७ बार और १८८५ के इंग्लिश रिवाइज्ड वर्जन में १२ बार उपयोग हुआ है।

इब्रानी में यह चार अक्षरों, यहवह (YHWH) के रूप में लिखा गया है, और यह सम्भवतः याहवेह करके उच्चारित किया जाता था। इसका सटीक उच्चारण ज्ञात नहीं है क्योंकि यहूदी इसे इतना अधिक पवित्र मानते थे कि वे विशेष अवसरों, जैसे प्रायश्चित्त के महान् दिन, को छोड़ कर कभी भी इसे जोर से नहीं बोलते थे। केवल विशेष चुने हुए याजक को ही परमेश्वर का नाम बोलने की अनुमति थी। निर्गमन ६:२ में लिखा है, "परमेश्वर ने मूसा से कहा, मैं यहोवा हूँ।" निर्गमन के ६वें अध्याय में कई बार 'यहोवा' शब्द का प्रयोग एवं 'मैं यहोवा हूँ' का प्रयोग मिलता है।

यहूदी अपनी व्यवस्था की पुस्तक में यहवह (याहवेह) पढ़ते थे। वे श्रद्धा से इसके बदले परमेश्वर के लिये प्रयुक्त दूसरा नाम लेते थे, जो परमेश्वर की सामर्थ्य पर जोर देता है। यह शब्द है - अदोनाय। इसका अर्थ है "मेरे प्रभु।" यहूदियों की धार्मिक पुस्तक में इसे इब्रानी में लिखा गया था, जिसमें सिर्फ व्यंजन ही प्रयोग किये गए थे कोई स्वर नहीं। पहली बार पवित्रशास्त्र लिखे जाने के वर्षों बाद जिन विद्वानों ने बाइबल की प्रतिलिपि तैयार की उन्होंने याहवेह के लिये प्रयुक्त व्यंजनों के नीचे अदोनाय के लिये प्रयुक्त स्वरों को लिखा, ताकि पाठकों को स्मरण रहे कि परमेश्वर के पवित्र नाम का उच्चारण न किया जाए। यदि इसे व्यंजनों एवं स्वरों को मिश्रित करके उच्चारित किया जाता था तो यह यहोवा या जहोवा के रूप में सुनाई देता, परन्तु यह इब्रानी भाषा के उच्चारण के अनुकूल नहीं है। भजनकार ने भजनसंहिता में सर्वाधिक बार यहोवा शब्द का प्रयोग किया है। उदाहरण स्वरूप भजनसंहिता ८३:१८ के अनुसार, "तू जिसका नाम यहोवा है" बहुत ही महत्वपूर्ण सन्दर्भ है। यशायाह २६:४ "यहोवा पर भरोसा रख।" भी यहोवा नाम की पुष्टि करता है।